आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–10 नवम्बर 2025 सान्ध्य समाचार

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में गोरखपुर में एकता यात्रा एवं राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन हेतु आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का गायन, उत्तर प्रदेश के हर विद्यालय, हर शिक्षण संस्थान में अनिवार्य करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम्' का गायन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 31 अक्टूबर, राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना प्रारंभ हुआ है।

याद करिए जब गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में आदरणीय प्रधानमंत्री जी कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने नर्मदा नदी पर जो सबसे बड़ा डैम बनाया था। उसका नाम सरदार सरोवर रखा। सरदार सरोवर डैम के माध्यम से उन्होंने एक ऐसे स्थल को जो विराट था आज देश और दुनिया का एक बेहतरीन टुरिज्म के डिस्कनेशन के रूप में स्थापित कर दिया। कारण है लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जो प्रतिमा है दुनिया की जीतनी भी प्रतिमाएं अब तक बनी है उन सब में सबसे विशाल और विराट प्रतिमा केवडिया गुजरात में सरदार सरोवर के तट पर लगी है। ये प्रतिमा यूनिटी ऑफ स्टेचू है। भारत की एकता की मूर्ति है जो लौह पुरूष के रूप में जो पूरे भारत को मार्ग दर्शन दे रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गोरखपुर के नगर निगम परिसर से एकता यात्रा निकाली गई। यह यात्रा गोलघर, धर्मशाला पुल और असुरन चौक होते हुए गीता वाटिका तक पहुंची।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। श्री योगी ने जनसमस्याओं के त्वरित व प्रभावी समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

****

देश अपने राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम की एक सौ पचासवीं वर्षगांठ मना रहा है। आज हम बता रहे हैं कि वंदे मातरम की भावना ने भारत की सीमाओं से परे जाकर विश्व भर के क्रांतिकारियों को स्वतंत्रता संग्राम के लिए कैसे प्रेरित किया। एक रिपोर्ट–

वंदे मातरम का जोशीला नारा भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा। बल्कि समुद्रों और महाद्वीपों को पार करते प्रवासी भारतीयों में भी देशभक्ति की लौ जलाता रहा। 22 अगस्त 1907 में स्वतंत्रता सेनानी मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टटगार्ट में विदेशी धरती पर पहली बार भारतीय तिरंगा झंडा फहराया था। इस ऐतिहासिक घटना ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। मैडम कामा और श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा डिजाइन किए गए ध्वज पर वंदे मातरम अंकित था। ठीक दो साल बाद 1909 में, क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा को ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनके कार्य के लिए लंदन में फांसी दे दी गई। उसने अंतिम शब्द थे वंदे मातरम। इन शब्दों ने देश के लिए बहादुरी और बलिदान का शाश्वत संदेश दिया। इसी वर्ष, पेरिस के भारतीय देशभक्तों ने वंदे मातरम् नामक एक पत्रिका शुरू की, जिसने दुनियाभर में भारत की स्वतंत्रा और एकता का संदेश फैलाया। इसके बाद अक्टूबर 1912 में गोपाल कृष्ण गोखले ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में कदम रखा। जहां उसका स्वागत वंदे मातरम के जयकारों से भव्य जुलूस द्वारा किया गया और इसी प्रकार यूरोप से लेकर अफ्रीका तक, वंदे मातरम भारत के संघर्ष की धड़कन बन गया। आकाशवाणी समाचार के लिए मैं, आंनद पाठक।

****

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने आज अयोध्या में कहा कि पचीस नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके लिए रक्षा मंत्रालय के विशेषज्ञों की सहायता ली जा रही है ताकि किसी भी तकनीकी बाधा से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंदिर परिसर के सातों शिखरों पर ध्वज फहराएंगे। यह कार्यक्रम लगभग तीन घंटे का होगा।

****

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जीएसटी दर घटाने के बाद, बाइस सितम्बर को शुरू हुए जीएसटी बचत उत्सव से देशभर के नागरिकों को लाभ हो रहा है। आज की कड़ी में हम आपको बता रहे हैं कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से स्टेशनरी क्षेत्र को कैसे बढ़ावा मिल रहा है। एक रिपोर्ट....

पेंसिल, रबर, शार्पनर, नोटबुक, ग्राफ बुक और मानचित्र जैसी स्टेशनरी वस्तुओं पर कर की दर पहले के 12 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दी गई है। इसी प्रकार रबर पर जीएसटी की दरों को पहले के पांच प्रतिशत से घटाकर कर मुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा ज्योमेट्री, बॉक्स, कलर बॉक्स और पाउच जैसी वस्तुओं पर जिन पर पहले 12 प्रतिशत कर लगता था अब 5 प्रतिशत जीएसटी कर दिया गया है। इस क्षेत्र में कर में कटौती से छात्रों पर वित्तीय बोझ कम हो रहा है। दृष्टि पुन्यानी, आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

वाराणसी के छावनी स्थित रणबांकुरे स्टेडियम में लगातार तीसरे दिन भी आज अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित हुयी। भर्ती प्रक्रिया के तहत टेक्निकल पद के लिये कुल एक हजार बावन अभ्यर्थियों को बुलाया गया था। इनमें से आठ सौ छांछठ अभ्यर्थियों ने रेस में भाग लिया और तीन सौ उन्चास अभ्यर्थी सफल घोसित किये गये।

****